पंचपरगनिया

खण्ड 'क'

व्याकरण :–वर्ण विचार, संज्ञा, सर्वनाम, लिंग, वचन, कारक, विशेषण, काल, क्रिया, समास, अव्यय, वाच्य, वाक्य के भेद, विपरीतार्थक शब्द, ऊनार्थक शब्द ।

खण्ड 'ख'

पद्य साहित्य

jssc exam

लोकगीतः–

1. पंचपरगनिया लोकगीत
2. लोकगीत की परिभाषा और महत्व
3. पंचपरगनिया लोकगीतों की विशेषताएँ
4. पंचपरगनिया लोकगीतों में भाव, रस, छंद और कला सुन्दरइ
5. पंचपरगनिया लोकगीतों में प्रकृति चित्रण
6. पंचपरगनिया करम गीतों के प्रकार
7. पंचपरगनिया विवाह गीतों का वर्गीकरण
8. पंचपरगनिया टुसू गीतों का वर्गीकरण
9. पंचपरगनिया विवाह गीतों का भाव सौन्दर्य
10. संहरइ गीतों का वर्गीकरण।

JSSC exam

शिष्टगीत / कविताएँ–

1. सावन मास – सृष्टिधर महतो 'समीर'
2. झागड़ा – सृष्टिधर महतो 'समीर'
3. रावन बध – डॉ० चन्द्रमोहन महतो
4. जीवन पथेक फूल – परमानन्द महतो
5. जीवन पथेक फूल – राजकिशोर सिंह
6. बांबरा (कविता संग्रह) – दिनबंधु महतो एवं परमानन्द महतो
7. महुआ रस – सहोदर खंडित

खण्ड 'ग'

लोककथाः– पंचपरगनिया लोककथा, संपादक–परमानन्द महतो

1. करमा धरमा केर काथा
2. बारहा आर भालू
3. सतनाराइन काथा
4. जितुआ बरत केर काथा
5. बिएजरी आर पाँचपरी
6. ठकुआ आर भिखुआ
7. मामा–भगिना
8. बिन बापेक छुआ
9. पँठी सनी
10. चालाक बिलाइ

नाटकः–1. इंजत – राजकिशोर सिंह

शिष्टकहानीः– जदि एसन हतक हले का हतक– संतोष साहु 'प्रीतम'

साहित्यकारः–

jssc exam

1. ज्योतिलाल महादानी
2. परमानन्द महतो
3. राजकिशोर सिंह
4. सृष्टिधर महतो
5. संतोष साहु 'प्रीतम'
6. दीनबंधु महतो
7. चन्द्रमोहन महतो
8. करमचन्द अहीर